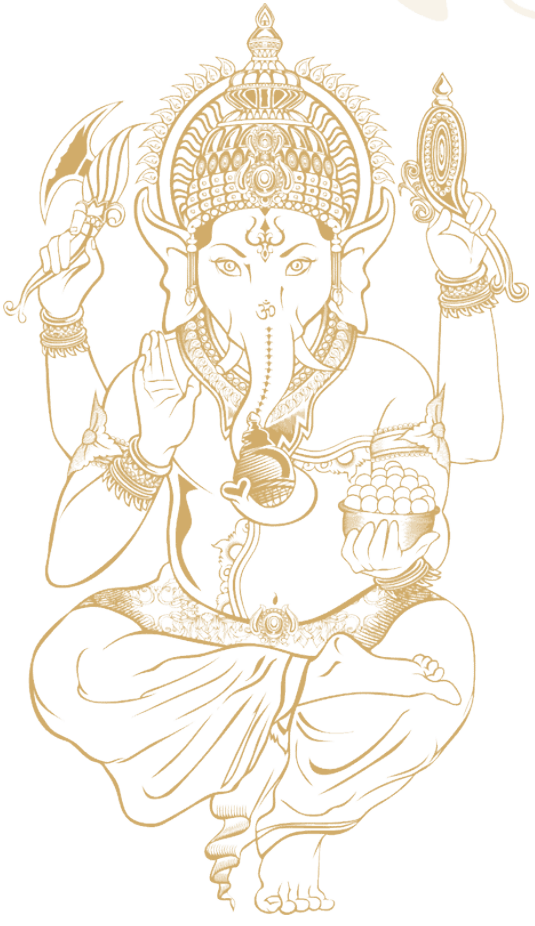

Mr.paras nagpal

Ms.nirali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119400609

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
6-07/04/1993	जन्म तिथि	14/03/1997
मंगल-बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 03:17:00	जन्म समय	21:45:00 घंटे
घटी 52:57:30	जन्म समय(घटी)	38:01:20 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Panipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	29:24:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:06:00	सूर्योदय	06:33:36
18:42:14	सूर्यास्त	18:29:35
23:46:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:05

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 6वर्ष 0मा 20दि		24:16:48	मक	लग्न	तुला	13:30:55	चन्द्र 6वर्ष 6मा 1दि	
गुरु		23:19:47	मीन	सूर्य	मीन	00:18:34	राहु	
27/04/2017		25:07:58	कन्या	चंद्र	वृष	14:39:34	15/09/2010	
27/04/2033		26:55:17	मिथु	मंगल व	कन्या	03:59:09	15/09/2028	
गुरु	15/06/2019	25:37:36	कुंभ	बुध	मीन	03:12:44	राहु	28/05/2013
शनि	26/12/2021	15:04:53	कन्या व	गुरु	मक	17:52:22	गुरु	22/10/2015
बुध	02/04/2024	14:46:54	मीन व	शुक्र	कुंभ	25:32:16	शनि	28/08/2018
केतु	09/03/2025	03:23:33	कुंभ	शनि	मीन	14:24:21	बुध	16/03/2021
शुक्र	08/11/2027	19:56:14	वृश्चि व	राहु	कन्या	04:56:01	केतु	04/04/2022
सूर्य	26/08/2028	19:56:14	वृष व	केतु	मीन	04:56:01	शुक्र	04/04/2025
चन्द्र	26/12/2029	28:15:48	धनु	हर्ष	मक	13:27:11	सूर्य	26/02/2026
मंगल	02/12/2030	27:18:51	धनु	नेप	मक	05:30:52	चन्द्र	28/08/2027
राहु	27/04/2033	01:20:01	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	11:46:26	मंगल	15/09/2028

लग्न-चलित

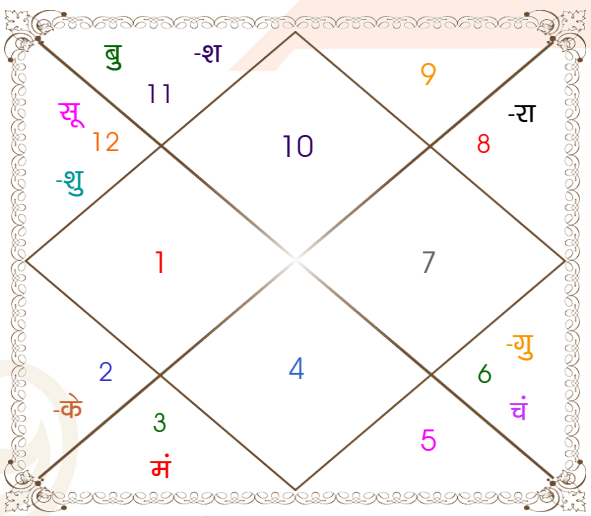

लग्न-चलित

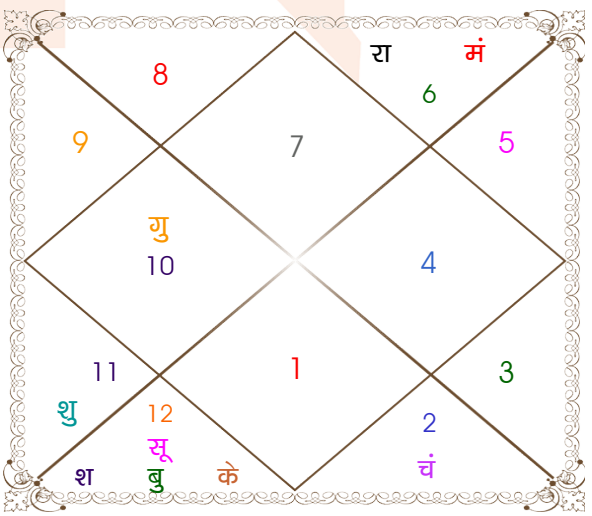

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.paras nagpal का वर्ग मूषक है तथा Ms.nirali का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.paras nagpal और Ms.nirali का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.paras nagpal मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ms.nirali मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.nirali कि कुण्डली में द्वादश भाव में कन्या राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms.nirali कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.paras nagpal कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.paras nagpal तथा Ms.nirali में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।